सफेद भालू

नॉर्बर्ट रोसिंग

कथा की 300एम थिंकबुक

एक देश है।

कनाडा।

एक बार मैं वहाँ था।

अपने कुत्तों के साथ।

तभी ...

हमारे सामने थी एक सफेद भालू!
मेरे कुत्ते डर गए।

सोचो फिर क्या हुआ ?

सफेद भालू...

एक दोस्त बनाना चाहती थी।

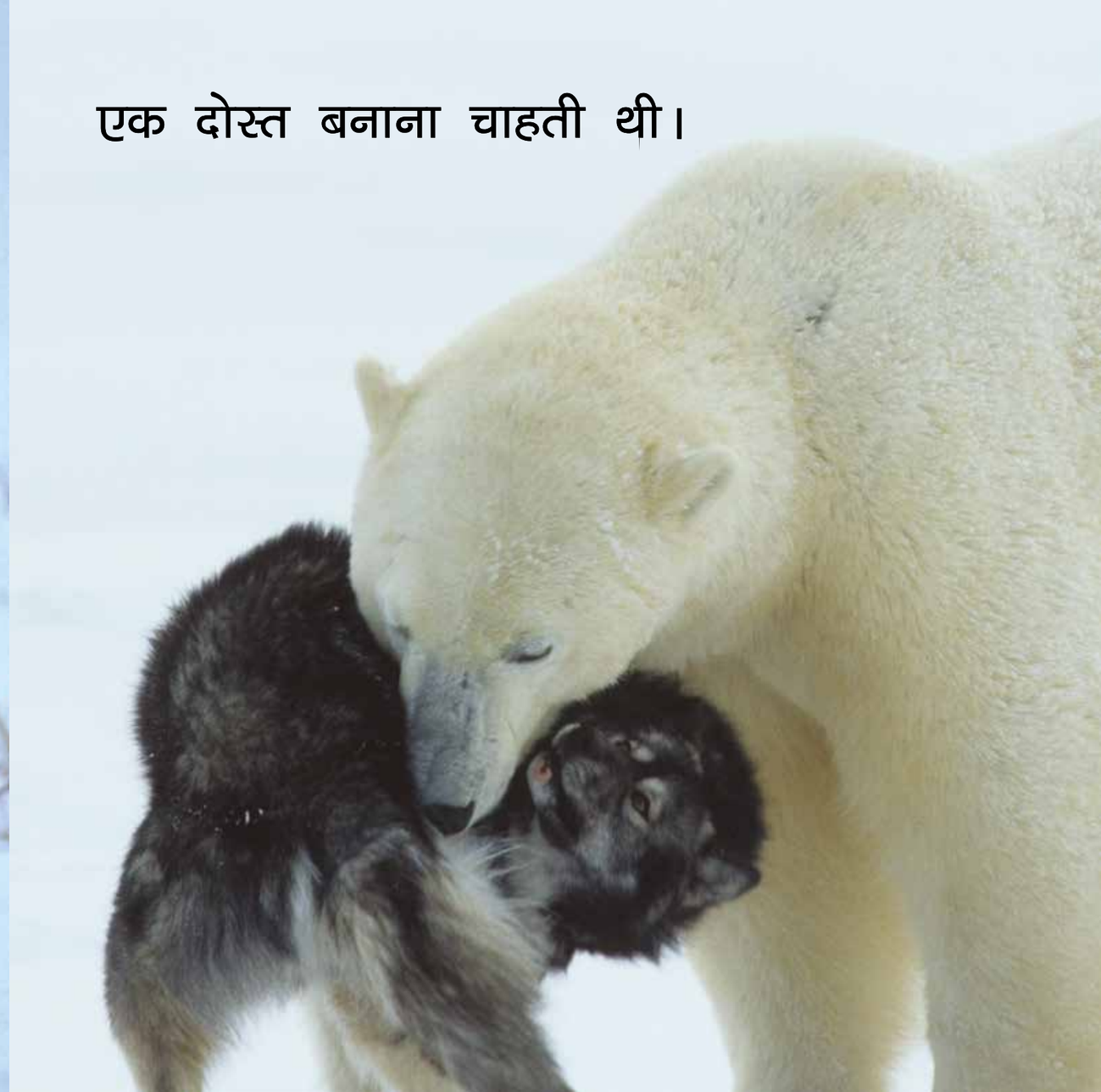

सफेद भालू मांस खाने वाले होते हैं।

सील उनका पसंदीदा भोजन है।

उनके पंजे छोटे होते हैं।

इनके दाँत बहुत नुकीले होते हैं।

इनके कान छोटे होते हैं।

सफेद भालू उत्कृष्ट तैराक होते हैं।

सबसे बड़ी भालू

ध्रुवीय भालू आर्कटिक के जमे हुए जंगलों में पाए जाते हैं।

फर के नीचे ध्रुवीय भालू की त्वचा काली होती है। यह सूर्य की गर्मी को अवशोषित करता है, और ध्रुवीय भालू गर्म रहता है।

ध्रुवीय भालू में सूघने की क्षमता बहुत तेज होती है। ये अपने शिकार को 16 किलोमीटर की दूर से भी सूंघ सकते हैं!

शावक अपनी मां के साथ 2 साल से अधिक समय तक रहते हैं।

एक वयस्क नर ध्रुवीय भालू का वजन 20 बच्चों (680 किलोग्राम) तक हो सकता है।

इनकी पूँछ छोटी होती है।

ये अपना अधिकांश समय बर्फ में बिताते हैं।

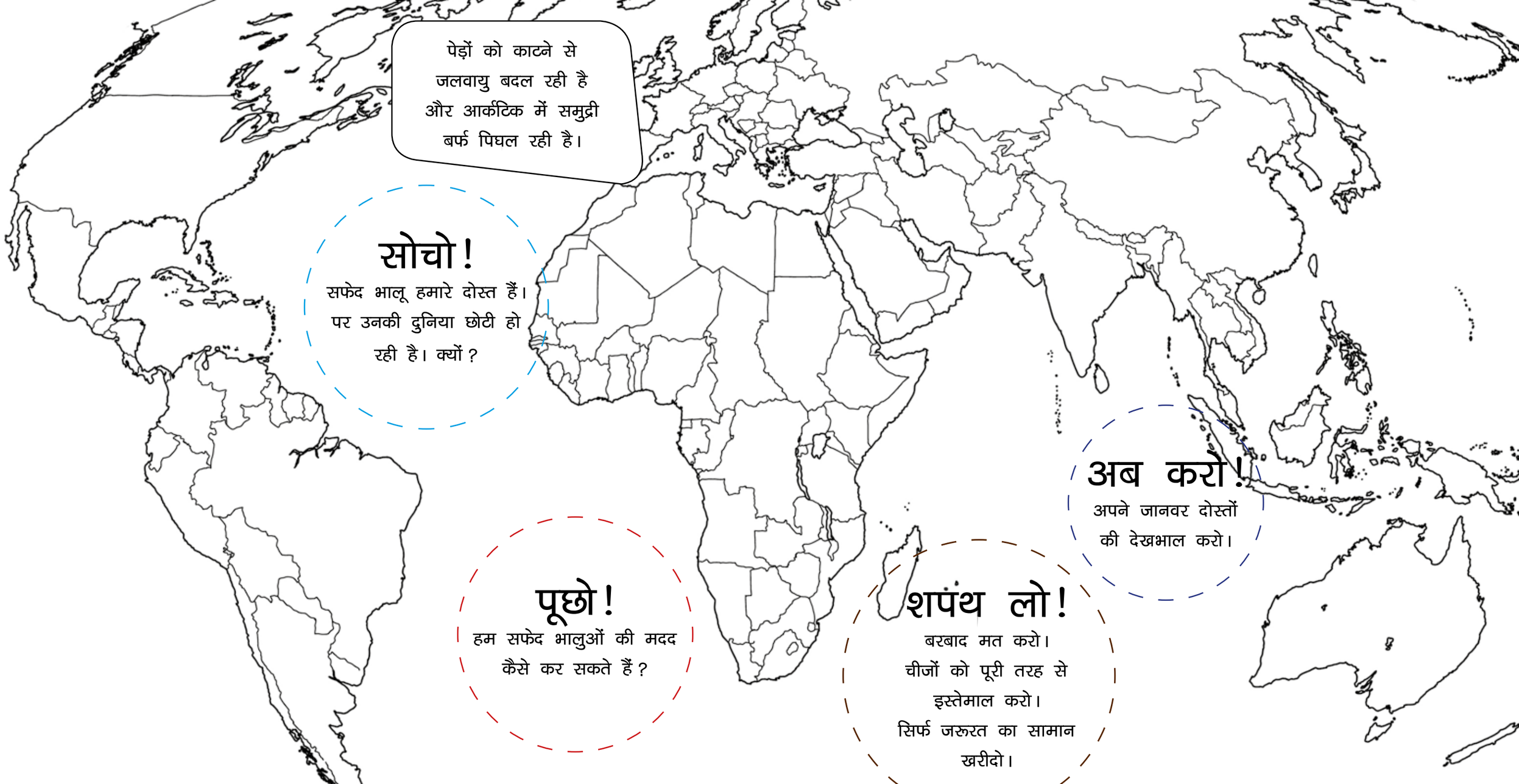
पेड़ों को काटने से
जलवायु बदल रही है
और आर्कटिक में समुद्री
बर्फ पिघल रही है।
सोचो!
सफेद भालू हमारे दोस्त हैं।
पर उनकी दुनिया छोटी हो
रही है। क्यों?
पूछो!
हम सफेद भालुओं की मदद
कैसे कर सकते हैं?
शपथ लो!
बरबाद मत करो।
चीजों को पूरी तरह से
इस्तेमाल करो।
सिर्फ जरूरत का सामान
खरीदो।
अब करो!
अपने जानवर दोस्तों
की देखभाल करो।

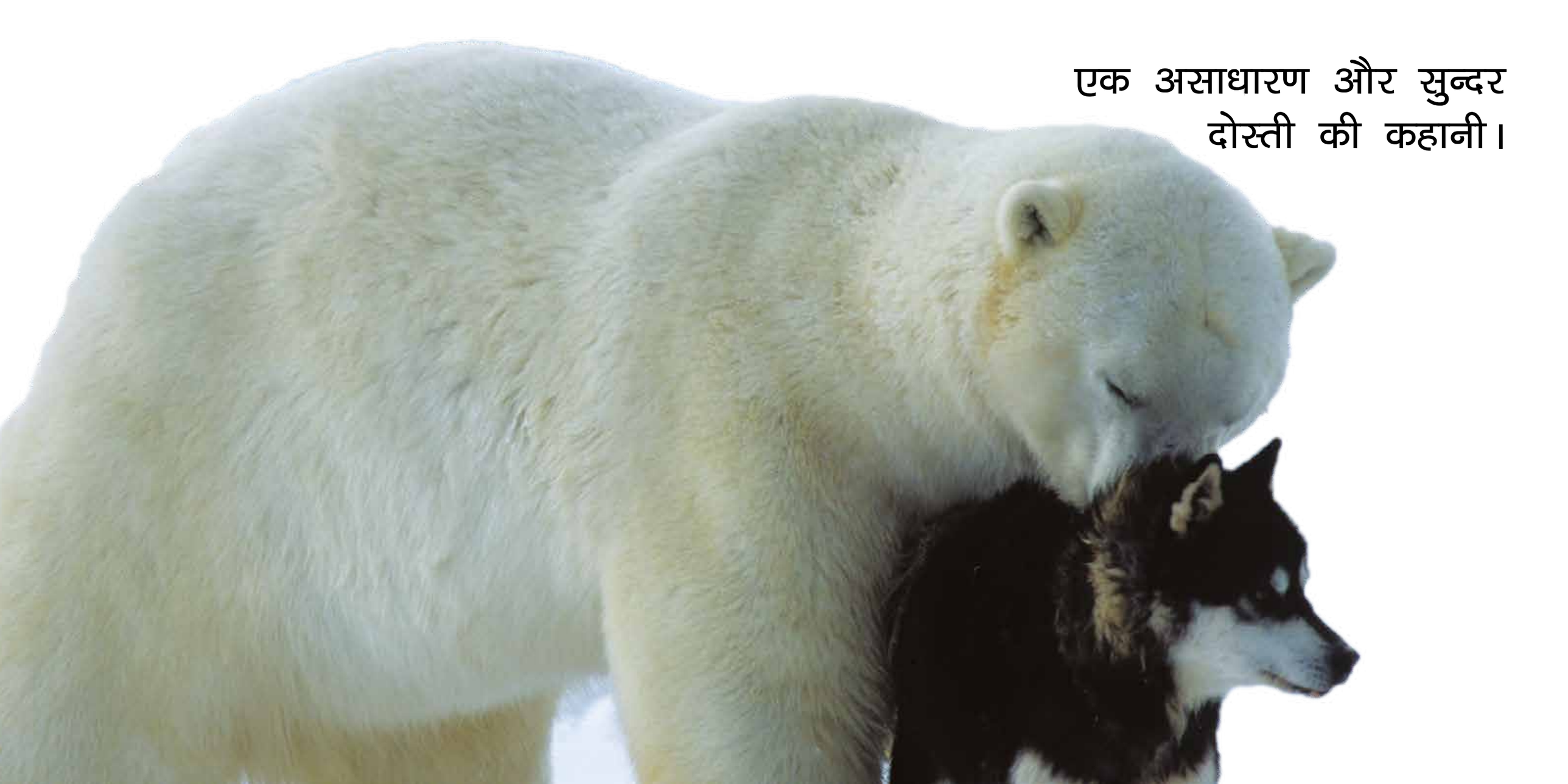

एक असाधारण और सुन्दर दोस्ती की कहानी।

नॉर्बर्ट रोसिंग एक फ़ोटोग्राफ़र हैं। उन्हें पशुओं की तस्वीरें खींचना अच्छा लगता है।

क कथा

कथा एक विष्व स्तर पर मान्यता प्राप्त गैर–लाभकारी संस्था है जो कि षिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में सन् 1988 से काम कर रही है। गरीबी में रहने वाले बच्चों की षिक्षा को बढ़ावा देने का व उनके लिए विषेष किताबें बनाने का कथा के पास लगभग 30 साल का अनुभव है।

"भारत के मुकुट पर एक शैक्षिक हीरा!" – **नाओकी शिनोहरा, उपप्रबंध निर्देशक, आईएमएफ**

"कथा का काम इस विचार से प्रेरित है कि बच्चे अपने समुदायों में स्थायी बदलाव ला सकते हैं। जैसे कि बच्चे करते हैं (कथा की किताबों में)।" – **पेपरटाइगर्स**

"कथा बच्चों के लिए नर्म दिल है। तभी तो कथा बच्चों के लिए इतनी खूबसूरत किताबें बनाती है।" – **टाइम आउट**

"कथा दुनिया भर में उन रचनात्मक संगठनों के लिए एक उदाहरण है जो शहरों के सुधार के लिए काम करते हैं।"

– **चार्ल्स लैंड्री,** *द आर्ट ऑफ़ सिटी मेकिंग*

८ (8) वें से १० (10) वें स्प्रेड कथा टीम की ओर से हैं

पहला हिंदी संस्करण 2021

कृति स्वामित्व © कथा, 2017, 2021
लेखन कृति स्वामित्व © नॉर्बर्ट रोसिंग
फोटो कृति स्वामित्व © नॉर्बर्ट रोसिंग
स्वत्वाधिकार सुरक्षित। प्रकाशक की आज्ञा के बिना इस किताब के किसी भी भाग को छापना अथवा अन्य किसी पुनः प्रयोग विधि के रूप में प्रतिकृति या इस्तेमाल वर्जित है।

नयी दिल्ली द्वारा मुद्रित

हमारा लक्ष्यः हर बच्चा आनंद और अर्थवत्ता के लिए पढ़ें।

कथा एक पंजीकृत आलंभकारी संस्था है जिसकी स्थापना 1988 में किया गया था। कथा शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में काम करती है। कथा का मुख्य उद्देश्य है बच्चों और बड़ों में पढ़ने में रूचि एवं इससे मिलती खुशी को बढ़ावा देना। कथा 1,00,000 से भी अधिक बच्चों के साथ काम करती है ताकि वे मजे के लिए और कक्षा स्तर पर पढ़ सकें।

ए–3 सर्वोदय एन्क्लेव, श्री औरोबिन्दो मार्ग, नयी दिल्ली – 110017
दूरभाषः 4141 6600 - 4141 6624 - 4182 9998
इ–मेलः marketing@katha-org
वेबसाइटः www-katha-org | www-books-katha-org

इस किताब की बिक्री में मिली राशि का 10% बच्चों की शिक्षा के लिए कथा स्कूल को दिया जाएगा।
कथा नियमित रूप से उस लकड़ी के बदले पेड़ लगाती है, जिससे हमारी किताबों को छापने का कागज बनता है।

'I Love Reading' Library कथा की एक खास श्रृंखला है। यह नए और संकोची बच्चों को सहजता से पढ़ना सिखाती है। इसका पाठ्यक्रम अलग – अलग स्तर पर पढ़ने वाले बच्चों को ध्यान में रख कर बनाया गया है। यह बेहतरीन साहित्य और कला को भारत एवं दुनिया भर से एकत्रित कर बनायी गयी है।
यह किताबें गीता धर्मराजन के 'StoryPedagogy' पर आधारित हैं। यह एक खास तरह का मॉडल है जो पहले स्कूल नहीं गए हुए बच्चों के लिए बनाया गया था। बच्चों को 'TADAA' (Think, Ask, Discuss, Act and Achieve) और 'बड़े विचारों' के द्वारा यह उनमें पढ़ने की खुशी और समझने की क्षमता बढ़ता है।

Katha's Holistic Early Learning (KHEL!) लैब सरकारी, निजी और गैर – लाभकारी विद्यालयों में कार्यशालाएँ कराती है। यह ऑनलाइन चलने वाली कार्यशालाएँ हैं। इसमें शिक्षकों, विद्यालय प्रबंधकों और स्वयं सेवकों को प्रमाण पत्र भी दिया जाता है।
अधिक जानकारी के लिए 300m@katha-org पर जाएँ।

यह सभी आई.एल.आर किताबें हैं

आनंद और समझने के लिए पढ़ो

इसकी ऋ श्रृंखला में

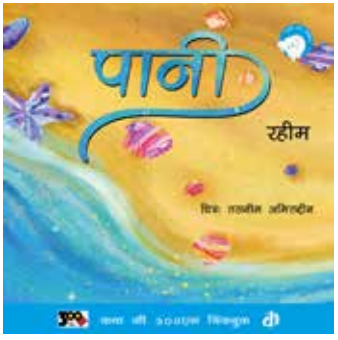

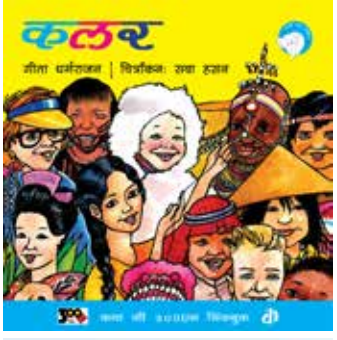

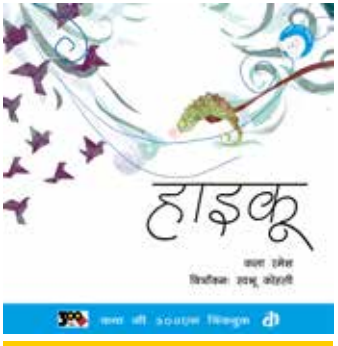

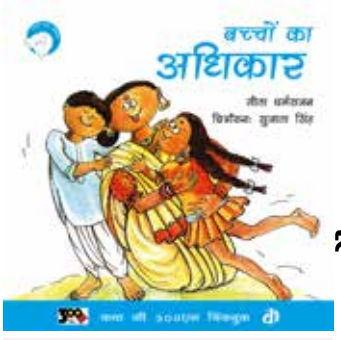

FOR OUR BOOKS

www.books.katha.org

"[Katha]...a special and unique moment in Indian Publishing history."

— The iconic The Economic Times

for children

a katha book

ISBN 978-93-88284-81-3

9 789388 284813

www.katha.org

₹ xxx